उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर

Migrating To A Brighter Future

वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2016 - 2017

www.iob.in

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

Indian Overseas Bank

(A Government of India undertaking)

आपकी प्रगति का सच्चा साथी

Good people to grow with

Touching Hearts
Spreading Smiles

Convenience of Banking

Digitally Served with Smile

www.iob.in

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

Indian Overseas Bank

(A Government of India undertaking)

आपकी प्रगति का सच्चा साथी

Good people to grow with

Touching Hearts
Spreading Smiles

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank
आपकी प्रगति का सच्चा साथी
Good people to grow with

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री टी. सी. ए. रंगनाथन
गैर-कार्यकारी अध्यक्ष
Shri. T C A Ranganathan
Non-Executive Chairman

श्री आर. सुब्रमण्यकुमार
एमडी व सीईओ (05.05.2017 से प्रभावी)
Shri. R. Subramaniakumar
MD & CEO (with effect from 05.05.2017)

श्री के. स्वामिनाथन
कार्यपालक निदेशक
Shri. K. Swaminathan
Executive Director

सुश्री ऐनी जॉर्ज मैथ्यु
सरकारी नामिती निदेशक
Ms. Annie George Mathew
Government Nominee Director

श्री निर्मल चंद
भा.रि.बै. नामिती निदेशक
Shri.Nirmal Chand
RBI Nominee Director

श्री निरंजन कुमार अग्रवाल
शेयरधारक निदेशक
Shri. Niranjan Kumar Agarwal
Shareholder Director

श्री संजय रूंगटा
शेयरधारक निदेशक
Shri. Sanjay Rungta
Shareholder Director

श्री के. रघु
सनदी लेखाकार प्रवर्ग के तहत अंशकालिक गैर-आधिकारिक निदेशक
Shri. K Raghu
Part-time Non- official director under Chartered Accountant Category

श्री विष्णुकुमार बंसल
अपर निदेशक
Shri. Vishnukumar Bansal
Additional Director

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केंद्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

निदेशकगण (31.03.2017 को)

श्री टीसीए रंगनाथन
गैर कार्यकारी अध्यक्ष

श्री आर सुब्रमण्यकुमार
एमडी व सीईओ के अतिरिक्त प्रभार सहित कार्यपालक निदेशक
(05.05.2017 से एमडी व सीईओ के रूप में नियुक्त)

श्री के स्वामिनाथन
कार्यपालक निदेशक

सुश्री एनी जार्ज मैथ्यू
भारत सरकार के नामिती निदेशक

श्री निर्मल चंद
भा. रि. बैंक के नामिती निदेशक

श्री के रघु
सनदी लेखाकार प्रवर्ग में अंशकालिक गैर आधिकारिक निदेशक

श्री निरंजन कमार अग्रवाल
शेयरधारक निदेशक

श्री संजय रुंगटा
शेयरधारक निदेशक

श्री विष्णुकमार बंसल
अपर निदेशक

श्री एस उमापति
महा प्रबंधक व बोर्ड सचिव

Indian Overseas Bank

Central Office: 763, Anna Salai, Chennai-600 002

ANNUAL REPORT 2016-17

BOARD OF DIRECTORS (as on 31.03.2017)

Shri. T C A Ranganathan
Non-Executive Chairman

Shri. R. Subramaniakumar
Executive Director with Additional Charge of MD & CEO
(appointed as MD & CEO with effect from 05.05.2017)

Shri. K. Swaminathan
Executive Director

Ms. Annie George Mathew
Government Nominee Director

Shri. Nirmal Chand
RBI Nominee Director

Shri. K. Raghu
Part-time Non-Official director under Chartered Accountant Category

Shri. Niranjan Kumar Agarwal
Shareholder Director

Shri. Sanjay Rungta
Shareholder Director

Shri. Vishnukumar Bansal
Additional Director

Shri S. Umapathi
General Manager & Board Secretary

लेखा परीक्षक	AUDITORS
1. मेसर्स वर्धमान एंड कं चेन्नै	1. M/s. Vardhaman & Co Chennai
2. मेसर्स एएसए एंड एसोसिएट्स एलएलपी चेन्नै	2. M/s. ASA & Associates LLP Chennai
3. मेसर्स ए वी देवन एंड कं चेन्नै	3. M/s. A V Deven & Co Chennai
4. मेसर्स आर. हरिभक्ति एंड कपनी एलएलपी मुम्बई	4. M/s. Haribhakti & Co. LLP, Mumbai.
5. मेसर्स तलाती एंड तलाती अहमदाबाद	5. M/s. Talati & Talati, Ahmedabad

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट	Registrar & Share Transfer Agent
मेसर्स केमियो कॉर्पोरेट सर्विसेस लि (यूनिट - आइओबी) सुब्रमणियन बिल्डिंग, पांचवी मंज़िल, नं 1 क्लब हाउस रोड चेन्नै-600 002 टेलिफोन: 044-28460390 (6 लाइन) 044-28460395 फैक्स 044-28460129 ई मेल : cameo@cameoindia.com	M/s Cameo Corporate Services Ltd (Unit-IOB) Subramaninan Building V Floor, No.1 Club House Road Chennai-600 002 Tel: 044-28460390 (Six Lines) 044-28460395 Fax 044-28460129 E mail: cameo@cameoindia.com

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केंद्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

Indian Overseas Bank

Central Office: 763, Anna Salai, Chennai-600 002

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

ANNUAL REPORT 2016-17

विषय वस्तु	पृष्ठ सं.	Contents	Page No.
एक झलक में	3	At a Glance	3
प्रबंध निदेशक व सी ई ओ की डेस्क से	4	From the Managing Director & CEO's Desk	4
शेयरधारकों को सूचना	10	Notice to Shareholder	10
निदेशकों की रिपोर्ट	30	Directors' Report	31
प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण	34	Management Discussion and Analysis	35
वर्ष 2016-17 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट	60	Report of the Board of Directors on Corporate Governance for the year 2016-17	61
कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र	91	Auditors' Certificate on Corporate Governance	91
वार्षिक लेखे	92	Annual Accounts	92
नकदी प्रवाह विवरण	170	Cash Flow Statement	170
स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	234	Independent Auditors' Report	235
प्रॉक्सी फॉर्म	238	Proxy Form	239

(यदि इस वार्षिक रिपोर्ट के हिन्दी रुपांतरण में कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी रुपांतरण सही माना जाएगा)

(In this Annual Report, in case of any discrepancy found in Hindi Version, English Version will prevail)

वित्तीय कैलेंडर

Financial Calendar

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 तक		For the Financial Year 1st April, 2016 to 31st March 2017	
लेखा बंदी की तारीखें	: 21.06.2017 (बुधवार) से 28.06.2017 (बुधवार)	Book Closure Dates	: 21.06.2017 (Wednesday) to 28.06.2017 (Wednesday)
वार्षिक रिपोर्ट का प्रेषण	: 31.05.2017 (बुधवार) 03.06.2017 (शनिवार)	Posting of Annual Report	: 31.05.2017 (Wednesday) to 03.06.2017(Saturday)
प्राक्सी फार्म प्राप्त करने की अंतिम तारीख :	: 23.06.2017 (शुक्रवार) सायं 5.00	Last date for Receipt of Proxy Forms	: 23.06.2017 (Friday), 5.00 p.m.
वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख :	: 28.06.2017 (बुधवार) सुबह 10.00	Date of AGM	: 28.06.2017 (Wednesday), 10.00 a.m.
लाभांश की घोषणा	: नही	Declaration of Dividend	: Nil

एक नज़र में

(रु. करोड़ में)

	मार्च-17	मार्च-16	मार्च -15	मार्च-14	मार्च-13
कुल कारोबार	368,118	397,241	425,090	409,057	366,501
वैश्विक जमाएं	211,343	224,514	246,049	227,976	202,135
घरेलू जमाएँ	205,154	218,556	239,819	219,731	195,457
घरेलू सकल अग्रिम	142,651	155,429	162,838	161,992	144,894
वैश्विक निवल अग्रिम	141,174	160,861	171,756	175,888	160,364
प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	67,401	67,615	63,635	58,090	51,056
कृषि ऋण	29,348	30,237	29,236	26,254	23,393
निवल निवेश	71,486	79,189	79,298	70,237	61,417
ब्याज आय	19,719	23,517	23,938	22,684	20,677
गैर ब्याज आय	3,373	2,528	2,138	2,169	1,973
परिचालनात्मक व्यय	4,912	5,026	4,200	3,749	3,408
सकल लाभ	3,650	2,885	3,322	3,997	3,817
निवल लाभ / निवल हानि	-3,417	-2,897	-454	602	567
इक्विटी शेयर पूँजी	2,454.73	1,807.27	1,235.35	1,235.35	924.10
सकल एनपीए (%)	22.39	17.40	8.33	4.98	4.02
निवल एनपीए (%)	13.99	11.89	5.68	3.20	2.50
पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%)	10.50	9.66	10.11	10.78	लागू नहीं

At a Glance

(₹ in Crore)

	Mar-17	Mar-16	Mar-15	Mar-14	Mar-13
Total Business	368,119	397,241	425,090	409,057	366,501
Global Deposits	211,343	224,514	246,049	227,976	202,135
Domestic Deposits	205,154	218,556	239,819	219,731	195,457
Domestic Gross Advances	142,651	155,429	162,838	161,992	144,894
Global Net Advances	141,174	160,861	171,756	175,888	160,364
Priority Sector Advances	67,401	67,615	63,635	58,090	51,056
Agricultural Credit	29,348	30,237	29,236	26,254	23,393
Net Investments	71,486	79,189	79,298	70,237	61,417
Interest Income	19,719	23,517	23,938	22,684	20,677
Non Interest Income	3,373	2,528	2,139	2,169	1,973
Operating Expenses	4,912	5,025	4,200	3,749	3,408
Gross Profit	3,650	2,885	3,322	3,997	3,817
Net Profit/Net Loss	-3,417	-2,897	-454	602	567
Equity Share Capital	2,454.73	1,807.27	1,235.35	1,235.35	924.10
Gross NPA (%)	22.39	17.40	8.33	4.98	4.02
Net NPA (%)	13.99	11.89	5.68	3.20	2.50
Capital Adequacy Ratio (%)	10.50	9.66	10.11	10.78	NA

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक - केन्द्रीय कार्यालय चेन्नै

INDIAN OVERSEAS BANK - CENTRAL OFFICE CHENNAI

प्रबन्ध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी से पत्र

Letter from Managing Director & Chief Executive Officer

श्री आर सुब्रमण्यकुमार, प्रबन्ध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Shri.R. Subramaniakumar, Managing Director & Chief Executive Officer

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष 2016-17 का वित्तीय विवरण प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मैं वर्ष के दौरान बैंक के वित्तीय संकेतकों और कार्य-निष्पादन की प्रमुख विशेषताओं को आपके साथ साझा करना चाहता हूँ।

आर्थिक परिदृश्य

आइएमएफ ने वर्ष 2016 के 3.1% के मुकाबले वर्ष 2017 में 3.5% के उच्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुमान लगाया है। चीन ने 2017 की पहली तिमाही में 6.9% की मजबूत ग्रोथ हासिल की है जबकि अमेरिका में 2017 की पहली तिमाही में विकास की वार्षिक दर 0.7% के साथ धीमी रही है। चीन में घरेलू मांग पहली तिमाही में मजबूत थी जबकि अमेरिका में निजी खपत विकास में कम पड़ गई। यूरो ज़ोन में औद्योगिक उत्पादन संवृद्धि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में व्यापक तौर पर एक जैसी रही जबकि बेरोज़गारी दर का ट्रेंड भी निम्न रहा।

भारत की जीडीपी के वित्त वर्ष 2017-18 में 7.2% की दर से बढ़ने का अनुमान है। औद्योगिक उत्पादन एवं उद्योगों को ऋण संवृद्धि कमज़ोर रहने का अनुमान है और यदि जीडीपी ग्रोथ में 7% से काफी ऊपर आना है तो निजी निवेश में तेजी दिखनी चाहिए। हालांकि वित्तीय वर्ष में 5% की वृद्धि के साथ आइआइपी डाटा की नई शृंखला (2011-12 आधार वर्ष) 2016-17 में औद्योगिक आउटपुट में वापसी को दर्शा रही है। आइआइपी में बढ़त के संकेत उत्साहवर्धक हैं क्योंकि यह दर्शाते हैं कि खपत मांग पर आधारित मेन्युफैक्चरिंग गतिविधि मजबूत है।

भारत में बैंकिंग उद्योग

बैंकिंग प्रणाली के समक्ष सबसे बड़ी आर्थिक चुनौती रुपए 7 लाख करोड़ तक की दूषित आस्तियों से डील करना है। तनावग्रस्त आस्तियां जिनमें खराब ऋण, पुनर्संरचित ऋण एवं अग्रिम आते हैं व जिनकी सर्विसिंग अपेक्षाएं पूरी नहीं हो सकती, वे कुल ऋण का करीब 17% पहुंच गई हैं। बैंकों के लिए सकल अग्रिम की तुलना में सकल एनपीए का प्रतिशत 2012-13 में 3.2 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 8.4 प्रतिशत पहुंच गया। सकल बैंक ऋण संवृद्धि 2013-14 के 14 प्रतिशत से तेजी से गिरकर 2016-17 में 7.4 प्रतिशत पर पहुंच गया। मौद्रिक छूट, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश में सरकार की कोशिशों और सरकारी-निजी साझीदारी की मदद और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) बिल की शुरुआत जैसे घरेलू सुधारों को लागू करने से निवेश मांग में हल्की तेजी की संभावना है। सरकार बैंकिंग क्षेत्र में आस्ति गुणवत्ता की दिक्कतों का समाधान करने के लिए नए सिरे से फोकस करती दिख रही है। सरकार ने अध्यादेश के

Dear Shareholders,

I have pleasure in presenting your Bank's Annual Report and financial statements for the year 2016-17. I would like to share with you the performance highlights and financial indicators of the Bank during the year as well as the outlook for the Bank going forward.

Economic Scenario

The IMF has forecast a higher Global Gross Domestic Product (GDP) growth at 3.5% in 2017, compared with 3.1% in 2016. China recorded a stronger growth of 6.9% in Q1 2017, while US recorded a slower annualized rate of growth of 0.7% in Q1 2017. China's domestic demand was strong in the first quarter, while private consumption growth decelerated in the US. In the Euro Zone, industrial production growth remained broad-based across the major economies, while unemployment rate continued to trend lower.

India's GDP is expected to grow at around 7.2% in FY18. Industrial production and credit growth to industry remain weak in India and a pick-up in private investment would need to be seen for GDP growth to come in significantly above 7%. However, the new series (2011-12 base year) of IIP data with 5% increase in the financial year demonstrates a rebound of industrial output in 2016-17. These signs of an upturn in IIP are encouraging, as it is indicative of stronger manufacturing activity based on consumption demand.

Banking Industry in India

The biggest economic challenge facing the banking system is dealing with toxic assets to the tune of ₹ 7 lakh crore. Stressed assets, which include bad loans, restructured debt and advances to companies that can't meet servicing requirements, have risen to about 17% of total loans. Gross non-performing assets as a percentage of gross advances rose from 3.2 per cent in 2012-13 to 8.4 per cent in 2015-16 for banks. Gross bank credit growth dropped sharply from 14 per cent in 2013-14 to 7.4 per cent in 2016-17. Investment demand is expected to pick up slightly, helped by monetary easing, government efforts towards infrastructure investments and public-private partnerships and the implementation of domestic reforms such as the introduction of the Goods and Services Tax (GST) Bill. The government is showing a renewed focus to address the asset quality problem in

जरिए आरबीआई को गैर निष्पादित आस्तियों के समाधान के मामले में हस्तक्षेप करने के लिए शक्तियां दी हैं। आरबीआई ने प्रस्तावों का समाधान स्वीकृत करने के लिए संयुक्त उधारदाता फोरम (जेएलएफ) में अपेक्षित एकमत की सीमा भी कम कर दी है। ये कदम एनपीए समाधान प्रणाली की प्रभाविता में सुधार लाते हैं और उधार के लिए सकारात्मक हैं।

आर्थिक आउटलुक

वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से विकास हासिल करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में रहेगा। 2017-2018 में वास्तविक जीडीपी 6.75% से 7.5% के बीच रहेगी। हालांकि, वैश्विक अनुमानों को लेकर अत्यधिक अनिश्चितता कई परिणामों की वजह से है जो घरेलू और वैश्विक कई मामलों में नीति में बड़े बदलावों पर आधारित हो सकते हैं जिनमें व्यापार और इमिग्रेशन शामिल है। कॉरपोरेट सेक्टर की डी-लीवरेजिंग, हानि बनाने वाली आस्तियों की पहचान व बैंकों के पुन: पूंजी निवेश जैसे बड़े ढांचागत बदलाव भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थायी भविष्य विकास के लिए लॉन्च पैड का निर्माण करेंगे।

आइओबी के परिप्रेक्ष्य में बैंकिंग क्षेत्र का आउटलुक

देश की जीडीपी की तुलना में बैंक उधार को ढाई से तीन गुना की दर से बढ़ना चाहिए, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से निवेश के प्रतिकूल माहौल और कई बड़े कॉरपोरेट हाउज़ेस के ओवर - लीवरेज होने की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। हालांकि सकल सावधि पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) जो अर्थव्यवस्था में निवेश मांग को दर्शाता है उसके वित्तीय वर्ष 2016-17 में 3.3%, वित्तीय वर्ष 2017-18 में उछलकर 6.8% पहुंचने का अनुमान है व वित्तीय वर्ष 2018-19 में 8.8% की वृद्धि रह सकती है और ये वृद्धि का प्रमुख कारक होगा। यह सरकार द्वारा किए जा रहे प्रमुख सुधार के उपाय हैं, जैसे दिवालिया कानून और वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) का लागू किया जाना, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अधिक ज़ोर, स्टील कीमतों की एमआइपी, रुकी हुई परियोजनाओं का पुनरुद्धार इत्यादि। इससे उधार संवर्धन में पुनरुत्थान और बैंकिंग क्षेत्र की आस्ति गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है।

खुदरा ऋणों और एमएसएमई ऋणों को बढ़ाते हुए हमारा बैंक अपने तुलन पत्र को पुर्नोन्मुख करने की दिशा में प्रयासरत रहेगा और विवेकपूर्ण उद्यमी ज़ोखिम प्रबन्धन तथा पूंजीगत आबंटन फ्रेमवर्क के दायरे में उच्च दर वाले कॉरपोरेटों को उधार देने पर ध्यान केन्द्रीकृत करता रहेगा जिस प्रकार हम विकास के अवसरों का लाभ उठाने पर फोकस कर रहे हैं और साथ ही साथ परिवेश में उभरी चुनौतियों का सामना करने के लिए कदम भी उठा रहे हैं।

➢ **कारोबार एवं वित्तीय कार्य-निष्पादन विशेषताएँ- 2016-17**

- 31 मार्च 2016 को रुपए 2,24,514 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2017 को बैंक की कुल घरेलू जमाएं रु 2,11,343 करोड़ रहीं। लागत कम करने के उद्देश्य से थोक जमाओं में कमी करने की दिशा में बैंक द्वारा उठाये गए सोचे-समझे कदम की वजह से जमाओं में कमी आई है।
- सकल अग्रिम 31 मार्च 2016 को रु 1,72,727 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2017 को रु 1,56,776 करोड़ रहा। बैंक ने विशाल स्तर के उधार प्रदान करने में अधिक सावधानी बरतने का विवेकपूर्ण लिया।
- बैंक का परिचालनगत लाभ 26.52% से बढ़ गया जो कि परिचालनगत दक्षता में सुधार का एक अच्छा संकेत है। बैंक द्वारा प्रयासरत बहुविध परिवर्तन / बदलाव दक्षता और परिचालनगत लाभ में और भी सुधार लाएंगे।
- वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए जहां एच 1 हानि रु 2200 करोड़ रही, वहीं एच2 हानि रु 1200 करोड़ रही। वर्ष के द्वितीय अर्द्ध में ऐसी कटौती इस बात का संकेत है कि बैंक को टर्नअराउंड करने के लिए कई प्रकार के प्रयास अमल में हैं।

the banking sector. The government through an ordinance provided the RBI with powers to intervene in the resolution of non-performing assets. RBI lowered the threshold for consensus required among lenders in the Joint Lenders Forum (JLF) to approve resolution proposals. These recent measures are likely to improve the efficacy of NPL resolution mechanism and are a credit positive.

Economic Outlook

India will remain one of the fastest growing major economies globally. The real GDP growth will remain between 6.75% and 7.5% in 2017-2018. However, high uncertainty around our global forecasts are due to the wide range of outcomes that could arise from significant shifts in policy on a number of domestic and international issues, including trade and immigration. Deeper structural changes like de-leveraging the corporate sector, recognizing loss-making assets and recapitalizing banks would enable the Indian economy to set up a launch pad for stable future growth.

Outlook for Banking Sector vis-à-vis IOB

Bank credit should grow at two-and-a-half to three times the country's GDP, but that has not been the case in the past few years as the investment climate remained anaemic and many large corporate houses remained over-leveraged. However, the gross fixed capital formation (GFCF) which indicates investment demand in the economy is forecast to grow by 3.3% in FY17, jump to 6.8% in FY18 and FY19 with 8.8% growth and will be the major growth driver. This is due to the key reform measures undertaken by the Government such as the implementation of the Bankruptcy Law and the Goods and Services Tax (GST), higher infrastructure push, MIP on steel products, revival of stalled projects etc. This is expected to lead to revival in credit off take and improvement in asset quality of the banking sector.

Our Bank will continue to re-orient our balance sheet with an increasing share of retail loans and MSME and concentrate on lending to higher rated corporates within a prudent enterprise risk management and capital allocation framework as we focus on capitalizing on growth opportunities while at the same time taking steps to address challenges in the environment.

➢ **Business and Financial Performance Highlights – 2016-17**

- Total deposits stood at ₹. 2,11,343 crore as on 31st March 2017 as against ₹. 2,24,514 crore as on 31st March 2016 on account of the steps taken by the Bank towards reducing high cost deposits and bulk deposits with a view to reduce the cost of funds.
- Gross Advances stood at ₹.1,56,776 crore as on 31st March 2017 as against ₹.1,72,727 crore as on 31st March 2016 as the Bank took a conscious decision to be more cautious on large scale lending.
- Operating Profit of the Bank has increased by 26.52% which is a good sign of improvement in operational efficiency. The multiple changes / transformation being attempted by the Bank will further improve efficiency and Operating Profit.
- While H1 Loss for the FY 2016-17 was ₹ 2200 crore, H2 Loss was ₹ 1200 crore. Such a reduction in the second half of the year is an indicator of the multiple efforts underway to turnaround the Bank.

- 22.39% के अनुपात के साथ 31 मार्च 2017 तक सकल एनपीए रु 35,098 करोड़ रहा जबकि यह 17.40% के अनुपात के साथ 31.03.2016 को रु 30,049 करोड़ रहा। सकल एनपीए के ज़्यादा होने के कारणों में से एक कारण है पिछले वर्ष की तुलना में उधार का 9.23% से घट जाना।

- 13.99% के अनुपात के साथ 31 मार्च 2017 तक निवल एनपीए रु 19,749 करोड़ रहा जबकि यह 11.89% के अनुपात के साथ 31.03.2016 को रु 19,213 करोड़ रहा। 31.03.2016 की तुलना में निवल एनपीए 31.03.2017 को दोनों क्षेत्रों यथा प्रतिशतता और पूर्णता में घटा है।

- बैंक ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए रु 8,710 करोड़ की वसूली के साथ वसूली के क्षेत्र में खासा अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए वसूली रु 5872 करोड़ रही।

- 31.03.2017 तक यानि विमुद्रीकरण की एक तिमाही के पश्चात भी बैंक का कासा अनुपात 36.09% बना रहा और यह अनुपात मार्च 2016 की तुलना में 7.37% अधिक रहा।

- 31.03.2016 तक बैंक का कोर रीटेल जहाँ 26.65% रहा वहीं वर्ष दर वर्ष वृद्धि के आधार पर यह 30.62% तक पहुंच गया।

- पिछले वर्ष के 47.39% के मुकाबले 31.03.2017 तक प्रावधानिक कवरेज अनुपात ने 53.63% तक की वृद्धि की।

- 31.03.2016 तक लागत-आय का अनुपात जहां 63.53% रहा वहीं 31.03.2017 तक यह बढ़कर 57.37% हो गया।

- 31.03.2016 तक एनआइएम का प्रतिशत जहां 1.94% रहा वहीं 31.03.2017 तक यह 2.03% हो गया।

- एक वर्ष के दौरान जमाओं पर प्रदत्त ब्याज रु 3224 करोड़ से घट गया और इस प्रकार 2016-17 की चौथी तिमाही के लिए सीओडी 5.88% कम हो गया।

- 22% के सकल एनपीए के बावजूद अग्रिमों पर आय वर्ष दर वर्ष के आधार पर 8.32% से घटकर 7.83% हो गई और राशि में रु 2609 की कमी आ गई और मुख्यत: यह एनपीए खातों के उन्नयन तथा प्रणाली आधारित राजस्व वसूली एवं वसूली को सुदृढ़ करने के ज़रिए राजस्व लीकेज को रोकने की वजह से हुई है।

- विदेशी शाखाओं ने टर्नअराउंड किया है और रु 44 करोड़ का वार्षिक लाभ अर्जित किया है।

- प्राथमिकता क्षेत्र उधार एवं कृषि उधार के अंतर्गत सभी लक्ष्य हासिल कर लिए गए।

➢ टर्नअराउंड रणनीति

एक अनुभवी और दूरदर्शी बोर्ड के मार्गदर्शन से बैंक के बोर्ड ने एक टर्नअराउंड रणनीति तैयार की है जिसमें उत्पादकता एवं परिचालनात्मक प्रभाविता में सुधार करने के लिए निम्नलिखित क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया गया है :

1. तकनीक सम्बन्धी मामले एवं लीवरेजिंग

- परिचालनगत व्यय को कम करने के लिए डिजिटल बदलाव व डिजिटल पहुंच में वृद्धि

- अल्पावधि में, बैंक ने आइटी प्लेटफॉर्म को स्थिर करने की योजना बनाई है और शाखाओं में डिलिवरी में सुधार करके यह काफी हद तक

- Gross NPA as at 31st March 2017 is at ₹. 35098 crore with ratio of 22.39% as against ₹. 30049 crore as on 31st March 2016 with ratio of 17.40%. One of the reasons for Gross NPA being relatively higher is the contraction of credit by 9.23% as compared to the previous year.

- Net NPA is ₹.19,749 crore with ratio of 13.99% on 31.03.2017 against ₹. 19,213 crore with ratio at 11.89% as on 31.03.2016. Net NPA as on 31.03.2017 has reduced both in terms of percentage and absolute terms as compared to 31.12.2016.

- On the Recovery front, the Bank has done fairly well by clocking recovery of around ₹ 8710 crore for FY 2016-17 as against ₹ 5872 crore for FY 2015-16.

- The Bank was able to retain CASA ratio at 36.09% as on 31.03.2017 even one quarter after demonetization and the ratio has increased over March 2016 by 7.37%.

- Core Retail of the Bank has shown y-o-y growth of 30.62% as against 26.65% as on 31.03.2016.

- Provision Coverage Ratio has improved to 53.63% as on 31.03.2017 from 47.39% a year back.

- Cost to Income Ratio has also improved to 57.37% as on 31.03.2017 as against 63.53% as on 31.03.2016.

- NIM stood at 2.03% as on 31.03.2017 as against 1.94% as on 31.03.2016.

- Interest paid on deposits has decreased by ₹. 3224 crore over 1 year bringing down COD to 5.88% for Q4 2016-17.

- Yield on Advances has reduced from 8.32% to 7.83% y-o-y and in quantum by ₹. 2609 crore despite having 22% Gross NPA and this is mainly due to arresting revenue leakage by strengthening system based revenue recovery and recovery and upgradation of NPA accounts.

- Overseas Branches have turned around and made an annual profit of ₹. 44 crore.

- All targets under Priority Sector lending and Agriculture lending have been achieved.

➢ TURNAROUND STRATEGY

With the guidance and oversight of an experienced and professional Board, the Bank has finalized a Turnaround Strategy with special focus on the following areas to improve the operating efficiency and productivity of the Bank:

1. **Technology issues and leveraging**

- Digital Transformation and Digital Penetration to economize operational cost.

- In the short term, Bank has planned to stabilize the IT Platform and it has been achieved to a great